15561.07 करोड़ रु० के रहे, जबकि अप्रैल-अक्तूबर, 1987 के दौरान ये 12191.72 करोड़ रु० के थे इस प्रकार इनमें 27.6 की वृद्धि हुई।

(घ) भारत के आयातों के वस्तु-वार ब्यौरे केवल अप्रैल-सितम्बर, 1988 तक उपलब्ध हैं। अप्रैल-सितम्बल १,1987 की तुलना में अप्रैल-सितम्बर 1988 के दौरान प्रमुख वस्तुओं के आयातों को दशनि वाला एक विवरण संलग्न है। [देखिए परिशिष्ट 149, अनुपत्र स० 9]

रुपए की कीमत

241.**श्री राम जेठमलानी:**
सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा:

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि भारतीय रुपए की क्रय शक्ति लगातार प्रतिवर्ष कम होती जा रही है;

(ख) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि 1960 को आधार वर्ष मानते हुए सितम्बर, 1988 में भारतीय रुपए का मूल्य घट कर 12 91 पैसा रह गया था, और

(ग) क्या यह भी सच है कि 1988 के वर्ष मे औद्योगिक और कृपि उत्पादन में वृद्धि हुई; यदि हां, तो इस वृद्धि के बावजूद भारतीय रुपए की क्रय शक्ति में इस सीमा तक कमी होने के क्या कारण हैं?

वित्त मंत्रालय में आर्थिक कार्य विभाग में राज्य मंत्री (श्री एडुआर्डो फेलेरियो): (क) से (ग) औद्योगिक कर्मचारियों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के वयुत्क्रम के रूप मे आकलित रुपए की क्रय शक्ति सूचकाक मे वृद्धि होने के कारण पिछले वर्षों के दौरान कम हुई है। आधार वर्ष 1960 से तुलना करते हुए भारतीय रुपए की क्रय शक्ति सितम्बर, 1988 में कम होकर 12 41 पैसे थी। तथापि, रुपए की क्रय शक्ति में कमी आने से आम आदमी के हित पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ा है क्योंकि इसके साथ-साथ प्रतिव्यक्ति आय में अधिक तेजी से वृद्धि हुई है।

कृषि और औद्योगिक उत्पादन दोनों पर ही 1987-88 के सूखे के कारण धक्का लगा है जिससे 1988 के दौरान बहुत सी आवश्यक वस्तुओं की पूर्ति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। मूल्यों में वृद्धि का मुख्य कारण पूर्ति और मांग में असंतुलन होना है। भारत जैसे विकासशील देश में यद्यपि उपभोक्ता वस्तुओं का उत्पादन मौसम की स्थितियों से प्रभावित होता है, तथापि जनसंख्या और आय में वृद्धि होने के कारण इन वस्तुओं की मांग बढ़ती जाती है।

पंजाब में हत्याएं

242. **श्री राम जेठमलानी:**
सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा:

क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि पंजाब में लगातार प्रतिदिन हत्याएं हो रही हैं;

(ख) यदि हां, तो राष्ट्रपति शासन के दौरान अब तक पंजाब में कुल कितने व्यक्तियों की हत्याएं हुईं, उनमें सैनिकों, बेकसूर नागरिकों और आतंकवादियों की संख्या कितनी-कितनी है तथा इस संबंध में अब तक कितने व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है; और

(ग) क्या सरकार पंजाब में लगातार हो रही हत्याओं की संख्या में वृद्धि को देखते हुए वहां के प्रशासन में भारी फेरबदल करने का विचार रखती है; और यदि नहीं तो इसके क्या कारण हैं?

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी० चिदम्बरम्): (क) और (ख) 12 मई, 1987 से 31 जनवरी, 1989 तक की अवधि के दौरान आतंकवादी हिंसक घटनाओं में व्यक्ति मारे गए हैं। इस अवधि के दौरान 696 आतंकवादी मारे गए हैं और 6788 गिरफ्तार किए गए हैं।

(ग) पंजाब की स्थिति की लगातार पुनरीक्षा की जा रही है तथा राज्य में आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए समय-समय पर उपाय किए जाते हैं।

Recommendations made at the conference held on stopping clandestine import of hazardous waste

243. *SHRI SURESH PACHOURI:* Will the Minister of ENVIRONMENT AND FORESTS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a two-day Conference of officials of States and Union Territories on management of hazardous and waste substances and pollution control was held recently which made strong recommendations for stopping the clandestine import of hazardous waste;

(b) if so, what were the other recommendations made at the Conference; and

(c) how many of the recommendations have been accepted and what steps are being taken by Government to implement them?

THE MINISTER OF ENVIRONMENT AND FORESTS (SHRI Z. R. ANSARI): (a) yes, Sir.

(b) and (c) the Conference consiedered a number of recommendations for incorporation in the regulations for management of hazardous substances and wastes under the Environment (Protection) Act, 1986 and their deliberations and views are being taken into account in the final set of rules and regulations to be issued.

244. [*Transferred to the 3rd March,* 1989]

245. [*Transferred to the 3rd March,* 1989]

Appraisal of mass loan mela scheme

246. SHRI DIPEN GHOSH:
SHRI M. A. BABY:

Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether Government have made any appriasal of mass loan mela scheme of nationalised banks; and

(b) if so, whether the appraisal was satisfactory, and if otherwise, what are the reasons therefor ?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI EDUARDO FALEIRO): (a) and (b) Credit Camps are organised by Public Sector Banks as part of the overall programme to accelerate flow of credit to the Weaker Sections. Central Government have not made any appraisal of the Nationalised Banks Credit Camps Scheme. However, Reserve Bank of India (RBI) had conducted a sample study on credit camps in 1986. Based on the feed back obtained then and subsequently, the programme is kept under review by the banks. In granting loans to Weaker Sections, banks are required to follow the instructions and guidelines, issued for the purpose, by Reserve Banks of India.

Changes in the disciplinary rules applicable to bank officers

247. SHRI E. BALANANDAN:
SHRI ASHIS SEN:

Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether Government recognise the urgency to change the disciplinary rules applicable to the bank officers for facilitating continuance of proceedings started during their service period even after their retirement; and

(b) if so, by when such a change is likely to be brought about in such rules?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI EDUARDO FALEIRO): (a) and (b) The matter regarding suitably amending the Disciplinary Rules for facilitating continuance of proceedings after retirement of officers is receiving the attention of the Government.

Indiscriminate sanctioning of loans by banks

248. DR. R. K. PODDAR:
SHRI MOSTAFA BIN QUASEM:

Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that loans under mass loan mela schemes of nationalised banks were indiscriminately sanctioned